बंशी ऐसी बजायी मेरे श्याम ने

बंशी ऐसी बजायी मेरे श्याम ने ,
प्यारी धुन को सुना तो मजा आ गया ....

अपनी सुध बुध भुलाके सभी गोपियां
सांवरे रंग समाई मजा आ गया
जादुगारी है बंशी की धुन श्याम की
सुन घटा गिर के छाई मजा आ गया !!

तीनों लोकों में धुन बंशी की छा गयी
देव नर नारी सब ऋषियों को भा गयी॥
यमुना का जल रुका , चाँद ठहर गया ॥
देख एसा नजारा , मजा आ गया !! बंशी ऐसी बजायी मेरे श्याम ने

हरे बांशो की बांसुरियां मन भा गयी
ढलती रात बजी दिल को तरसा गयी ॥
एसी लचक निराली मेरे श्याम की ॥
राधा हो गयी दीवानी , मजा आ गया !! बंशी ऐसी बजायी मेरे श्याम ने

वारी वारी मैं जाऊं तेरी बंशी पे
“ लाल निरंजन ” बलिहारी तेरी बंशी पे॥
रोज सिमरण करूं तेरा ध्यान धरुं॥
दर्शन श्यामा का पाऊं , मजा आ गया ॥ बंशी ऐसी बजायी मेरे श्याम ने

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1839/title/banshi-eshi-bajayi-mere-shyam-ne--pyari-dhun-ko-suna-to-maja-aa-geya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |